सही बातें संगत

आशीषानुकंपा

शतािब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें संगत

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाड्मय को सुसंवर्धित किया है । वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है । इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
संगत

समझदार लोग
गुणों की चर्चा करते हैं
गुणों को ही देखते हैं,
वो लोग
दोषों की न तो चर्चा करते हैं
न ही उन्हें देखते हैं,
क्योंकि
जो भी हम देखते हैं
जिसकी भी चर्चा करते हैं,
वो ही हमारे अंदर
प्रवेश करता है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आज को
अच्छे से जियें,
क्योंकि
कल किसी ने देखा नहीं है,
आने वाला कल
क्या दिखायेगा
ये तो हम नहीं जानते,
पर
मुझे विश्वास है कि
वर्तमान का अच्छा जीवन
अच्छे भविष्य की पहचान है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप लोगों को
तभी तक अच्छे लगते हैं,
जब तक आप उन्हें
उनकी गलतियाँ नहीं बताते हैं,
गलतियाँ बताते ही
अच्छा मानने वाले आपको
बुरा मानने लगते हैं;
इसीलिये
कभी भी
किसी की गलतियाँ न बतायें ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

भावनायें
मनःस्थिति पर निर्भर करती हैं
और
कर्म
भावनाओं पर निर्भर करते हैं,
अगर आपकी
भावनायें और मनः स्थिति
अच्छी हो तो
जीवन भी
निश्चित ही अच्छा होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर आपका स्वभाव
अच्छा है
तो कितनी ही खोटी संगति हो
पर
आप अपना आचरण
नहीं खो सकते हैं,
सही है
चंदन के वृक्ष से लिपटा सर्प
कभी भी
चंदन में विष नहीं भर पाता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

छोटे लोगों की संगति
आपकी सोच को
छोटा कर सकती है,
हीन लोगों की संगति
आपके आचरण को
हीन कर सकती है,
इसीलिये
छोटे और हीन लोगों से
दूर रहना ही श्रेष्ठ है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

बुरी भावनाओं से
बुरी घटनाओं का जन्म होता है
और
अच्छी भावनाओं से
अच्छी घटनाओं का,
इसीलिये
परिस्थितियाँ कैसी भी हों,
पर
भावनायें हमेशा
अच्छी ही होना चाहिये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप मित्र के घर
सुख में जायें या न जायें,
मगर
दुःख में अवश्य जायें,
क्योंकि
दुःख में
उसे सहारे की जरूरत है
और
मित्र को
मित्र से अच्छा सहारा
कहाँ मिलेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

सज्जन लोगों से
घनिष्टता धीरे–धीरे बढ़ती है
पर
लम्बे समय तक रहती है,
वहीं
दुर्जन लोगों से
घनिष्टता जल्दी–जल्दी बढ़ती है ;
पर
वह समाप्त भी
जल्दी ही हो जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

पृथ्वी वृक्ष को सहारा देकर
खड़ा करती है,
लेकिन
हवा उसे उखाड़ कर
बे-सहारा कर देती है,
वैसे ही
आप भी पृथ्वी की तरह
दूसरों को सहारा देना सीखिये,
हवा की तरह
बे-सहारा करना नहीं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुष्ट लोगों को
दूसरों के
अवगुण ही दिखाई देते हैं
गुण नहीं,
तभी तो कहा है–
दुष्टों की प्रवृत्ति
सूकर जैसी होती है
उनकी दृष्टि
सदैव मल पर होती है ;
मिष्टान्नों
या
मधुर फलों पर नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर आपकी प्रतिज्ञा
दृढ़ है
तो दुनिया आपके आगे
जरूर झुकेगी,
अगर
प्रतिज्ञा दृढ़ नहीं है
तो आपको दुनिया के आगे
झुकना पड़ेगा ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जो लोग
गुरु की या फिर
माता-पिता की अविनय करते हैं,
वो लोग
प्रभु की आराधना करके भी
सुखी नहीं रहते हैं,
क्योंकि
उपकारी का
उपकार भूलने वाले के
सारे काम निष्फल हो जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर
आपका कार्य
और
आपका लक्ष्य
सही है,
तो प्रकृति भी
आपके लक्ष्य को पूरा करने में
सहायता करती है,
गलत कार्य में तो
बंधु भी पीछे हट जाते हैं,
फिर प्रकृति क्या सहयोग करेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

मंदिर तोड़ने से ज़्यादा पाप
विश्वास तोड़ने में लगता है,
क्योंकि
टूटा मंदिर
फिर से बनाया जा सकता है,
मगर
टूटा विश्वास बनाने में
दीर्घ समय लगता है
और
उससे अर्जित पाप काटने में भी
दीर्घ समय लगता है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दूसरों के दोष देखकर
आप अपने अन्दर
दोष उत्पन्न करते हैं
और
गुणों को देखकर
गुण उत्पन्न करते हैं,
निर्णय आपका है
आप जो चाहें
अपने अंदर
उत्पन्न कर सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुनिया के लोग
जिस सूर्य को
गर्मी में गाली देते हैं,
उसे ही
ठंडों में पूछते हैं,
इसीलिये
लोगों के बारे में मत सोचिये,
अपने कार्य में लीन रहिये,
कुछ तो लोग कहेंगे
लोगों का काम है कहना ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दूसरों का मज़ाक उड़ाने में
आपको बहुत मज़ा आता है,
मगर
जब दूसरे आपका मज़ाक उड़ाते हैं
तब ज़िंदगी का
मज़ा खत्म हो जाता है,
इसीलिये
न तो किसी की मज़ा लें
न ही मज़ाक उड़ायें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुनिया में लोग
धनवान को ही
बड़ा आदमी मानते हैं,
लेकिन
मैं
उसे ही बड़ा आदमी मानता हूँ
जिसका दिल और दिमाग बड़ा हो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

धन के संग्रह से
धर्म की नहीं
मान की वृद्धि होती है,
संग्रहीत धन के दान से
धर्म और विनम्रता की
वृद्धि होती है ;
धन का संग्रह बुरा नहीं
धन का दान न करना बुरा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

संकट का समय
उदास होकर नहीं
साहसी होकर निकालना चाहिये,
उदास होने से
संकट का समय
धीरे-धीरे व्यतीत होता है
और
साहसी होने से जल्दी-जल्दी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

कुछ भी करें
सोच–विचार कर ही करें,
कुछ भी बोलें
सोच–विचार के ही बोलें,
क्योंकि
बिना सोचे–विचारे
आप जो भी करेंगे,
वह अपयश के साथ–साथ
अशान्ति का ही कारण बनेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब वक्त
आपका होता है
तब दुनिया आपके
आगे–पीछे घूमती है
और
जब वक्त पराया होता है
तब दुनिया
आगे–पीछे हो जाती है,
इसलिये
वक्त को ही अपना बनाइये
दुनिया आपकी बनकर रहेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

कुछ लोग कहते हैं
ईश्वर कभी
नज़र नहीं आता है,
मगर
जब वे ही लोग
कष्टों में होते हैं
तब वे ही लोग
ईश्वर को याद करते हैं
और
ईश्वर को ही देखते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जो लोग
अपनी सुन्दरता पर घमण्ड करते हैं
उन्हें अभी
सच्चाई का ज्ञान नहीं है,
क्योंकि
जिस पर वे घमण्ड कर रहे हैं
वह तो सिर्फ
एक मुट्ठी राख है
यह बात अभी नहीं
तो थोड़े दिन में
समझ में आ जायेगी ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आदर्श बनने के लिये
आदर्शों को
मात्र देखा नहीं जाता
उनके जैसे
कारनामें भी करना पड़ते हैं,
क्योंकि
आदर्शता
देखने मात्र से नहीं
अनुगमन से उत्पन्न होती है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

कुछ लोग
फल न देने के कारण
बूढ़े वृक्ष को काट देते हैं
और
कुछ लोग
कुछ नहीं देने के कारण
बूढ़े माता-पिता को
घर से निकाल देते हैं,
मेरे मित्र !
बूढ़े वृक्ष को मत काटो
वह तपन में छाया देगा
और
बूढ़े माता-पिता को मत निकालो
वे बुरे वक्त में दुआयें देंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

किसी को भी
दुःखी न करें,
क्योंकि
दुःख के दिन
तो खत्म हो जाते हैं,
पर
दुःखी करने वालों के दुःख
कभी खत्म नहीं होते...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप दूसरों को
कुछ नहीं दे सकते
तो कोई बात नहीं,
पर
उनके गम जरूर बाँट लें,
क्योंकि
आपके देने से
लोगों को कम खुशी मिलती है ;
पर
गम बाँट लेने से
ज़्यादा खुशी मिलती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर आप ज़िद्दी हैं
या हर काम को
जल्दबाज़ी में करते हैं,
तो आप सफल होकर भी
प्रसिद्ध नहीं हो सकते हैं,
ज़िद्दी की जगह
दृढ़ हो जाइये
और
जल्दबाज़ की जगह
बहादुर हो जाइये,
सफलता के साथ-साथ
प्रसिद्धि भी मिलेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जिन्हें
प्रभु-गुरु की
या
माँ-बाप की सेवा करने में
कष्ट होता है,
उनके जीवन में भी कष्ट होता है,
और
उनके जीवन से कष्टों के दिन
कभी नहीं जाते,
इसलिये
जिन्हें कष्टों के दिन नहीं चाहिये
उन्हें प्रभु-गुरु की या
माँ-बाप की सेवा करनी चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुश्मन हो या हो दोस्त
दोनों का ही
बुरा मत मानिये,
क्योंकि
दोनों ही आपको
अपने पास रखते हैं,
फर्क सिर्फ इतना है-
दोस्त दिल में
और
दुश्मन दिमाग में रखते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जैसे
हवा के झोंके से
दिया बुझ जाता है
वैसे ही
क्रोध के झोंके से
विवेक का दिया बुझ जाता है,
और
पश्चात्ताप का
अंधकार फैल जाता है,
इतना सुनने के बाद भी
अगर आप क्रोध करते हैं ;
तो आप से बड़ा मूर्ख
दूसरा कोई नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दोस्ती वहीं रहती है
जहाँ गलतियों को भी
नज़रअंदाज़ किया जाता है
और
दुश्मनी वहीं रहती है
जहाँ गलतियाँ न होने पर भी
गलतियों का
आरोपण किया जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आपकी राहों में
जब भी कुछ अड़चनें आयें
तो उन अड़चनों को
अड़चन न मानकर
सीढ़ियाँ स्वीकारिये,
अड़चन मानने पर
आप राह में ही अटक जायेंगे
और
सीढ़ी मानने पर
मंज़िल को पा जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप
किसी भी चीज़ की कीमत
तभी करते हैं,
जब वह खो जाती है,
फिर चाहे वह
सुई हो या रिश्ते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

कुछ लोग
बड़े बनने के लिये
छोटे कामों का
सहारा लेना पसंद नहीं करते हैं,
मगर
ऐसे लोग
बड़े कभी नहीं बन पाते हैं,
क्योंकि
कितने भी बड़े महल क्यों न हों
बनते तो सभी
छोटे-छोटे पत्थरों से ही हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जैसे आप
अपने घर में
कचरे को जगह नहीं देते,
वैसे ही आप
अपने मन में भी
चिंता को जगह न दें ;
क्योंकि
चिंता
एक ऐसा कीड़ा है
जो आपके मन में लगकर
तन को नष्ट कर देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

हर किसी की ज़िंदगी में
काँटे भी रहते हैं
और फूल भी,
आप चाहें
तो फूलों को देखकर
मुस्कुरा भी सकते हैं
और चाहें
तो काँटों को देखकर
रो भी सकते हैं,
ज़िंदगी आपकी है
आप जैसा चाहें जी सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जो लोग दूसरों को
मुस्कुराता नहीं देख पाते हैं
ज़िंदगी
उनकी भी मुस्कान छीन लेती है,
क्योंकि
आप जिसे
देखना पसंद नहीं करते हैं
एक दिन वह भी आपसे
नफरत करने लगता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब कोई अपना गुस्सा
आप पर उतारे
तब एक दम शांत हो जाइये,
ऐसा करने से
उसे अपने किये पर
पश्चात्ताप होगा,
अगर आपने
गुस्से का जवाब
गुस्से से दिया,
तो आपको
अपने किये पर पश्चात्ताप होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप जैसे हैं
दुनिया के सामने खुद को
वैसा ही प्रस्तुत करें,
तभी लोग आपको मानेंगे
वरना
थोड़े समय बाद लोग
न तो आपको मानेंगे
न ही आपकी मानेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

ज़िंदगी
जब भी आपको
ऊपर उठने का मौका दे,
तो उसे जमकर पकड़ें
और
ऊपर उठें,
मगर
ऊपर उठने के बाद
नीचे की ज़मीन को न भूलें,
यह शिक्षा आप पक्षी से लें-
वह जानता है
कि कितना ही ऊपर उड़ ले
पर आना उसे
ज़मीन पर ही पड़ता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

ज़िंदगी में
हर किसी को
बड़े बनने का मौका मिलता है,
पर
बड़े वो ही बन पाते हैं
जो उस मौके को
पकड़ लेते हैं;
जो नहीं पकड़ पाते हैं
वो सिर्फ रोते रह जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुःखों का आना
जीवन का हिस्सा है,
दुःखों में भी मुस्कुराना
जीवन की कला है,
अगर
यह कला आपके अंदर है
तो दुःखों के आने पर भी
आप कभी
दुःखी नहीं हो सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब आपके पास
धन न हो
तब धैर्य रखिये
और
जब धन हो
तब अपने व्यवहार को अच्छा रखिये,
अकसर लोगों का
धैर्य और व्यवहार
धन के सद्भाव में
बिगड़ जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अपने स्वभाव को
पत्थर की तरह नहीं
पानी की तरह बनाइये,
ध्यान रखें-
पत्थर
रुकावट पैदा करता है
और
पानी
रुकावटों की परवाह न करके
सिर्फ बहता है ;
रुकावटें
अपने आप हटती चली जाती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुनिया के लोग
सुंदर आँख वालों को
सुंदर मानते हैं,
मगर
जिनकी ज़ुबान सुंदर नहीं है
वे कितने ही
सुंदर क्यों न हों,
दुनिया क्या
कोई भी उन्हें
सुंदर नहीं मानता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

किस्मत
हर किसी के घर आती है,
मगर
कुछ समझदार लोग ही
वक्त पर दरवाजा खोलते हैं
और
कुछ नासमझ लोग
दरवाजा खुलने का
इंतज़ार करते रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

इच्छायें असीम होती हैं
और
जरूरतें सीमित होती हैं,
यह बात
जानता तो हर कोई है,
पर
इच्छाओं को छोड़कर
जरूरतों के अनुसार जीवन जीना
हर कोई नहीं जानता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप
जब भी जो भी फैसला लें
बड़ा सोच-समझकर लें,
पर
लेने के बाद
पीछे न मुड़ें,
पीछे न मुड़ने वाले
घर में नज़र आते हैं
और
आगे बढ़ने वाले
इतिहास में नज़र आते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आपके
सबसे करीब कौन है ?
यह बात आपको
तब मालूम चल पाती है
जब आप
बहुत दूर तक
लोगों के साथ चलते हैं,
सही बात है–
नज़दीकियों की पहचान भी
दूर तक चलने पर ही होती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर आप
दुनिया को
अपना बनाना चाहते हैं,
तो दिमाग को ठंडा
और
दिल को बड़ा बनाकर रखें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर आपकी वाणी में
बूरा मिला है,
तो दुनिया कभी आपका
बुरा नहीं मानेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

बड़ा बनने की चाह
तो हर किसी में होती है,
पर
बड़ा बनने के साथ-साथ
अच्छा बनना
हर किसी के
बस की बात नहीं,
ये तो
बड़े दिलवाले ही कर पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

माँगने से मिलता होता
तो कोई गरीब न रहता
और
सोचने से मिलता होता
तो कोई अमीर न रहता,
जो कुछ भी मिलता है
करने से मिलता है ;
इसीलिये
माँगिये मत
सोचिये भी मत
सिर्फ कीजिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

परेशानी या कष्टों के दिन
रुलाने के लिये नहीं
सिखाने के लिये आते हैं,
समझदार लोग सीखते हैं
और
नासमझ लोग रोते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जितना जरूरी भोजन है
नींद भी
उतनी ही जरूरी है,
लेकिन
जैसे
ज़्यादा भोजन हानिकारक है
वैसे ही
ज़्यादा नींद भी हानिकारक है ;
इसीलिये
नींद और भोजन
थोड़ा ही जरूरी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आपका समय
चाहे अच्छा हो या बुरा,
पर
बुरी संगत से
हमेशा दूर रहें,
बुरी संगत
आपके अच्छे समय को बुरा
और
बुरे समय को
और भी बुरा बना देती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

सफल होने के लिये
चलना जरूरी है,
चलने के लिये
अनुभव जरूरी है,
अनुभव के लिये
ठोकर जरूरी है,
और
ठोकर के लिये
चलना जरूरी है,
इसीलिये
सफल होने के लिये
चलना जरूरी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

बड़ी–बड़ी बातें
किसी की समझदारी का
प्रमाण पत्र नहीं है,
मगर
छोटी–छोटी बातें समझना
समझदारी का प्रमाण पत्र है,
बड़ी–बड़ी बातें तो
बहुत लोग कर लेते हैं;
मगर
छोटी–छोटी बातें
बहुत कम लोग समझते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

हर किसी की ज़िंदगी
दीपक की तरह नहीं होती,
क्योंकि
दीपक स्वयं जलता है
पर दूसरों को उजाला देता है,
कुछ लोग
कोयले की तरह भी होते हैं
जो स्वयं
धधकते रहते हैं
परन्तु किसी को
रोशनी कभी नहीं दे पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

क्रोध
एक बिजली की तरह है
जब भी आप
इसे दूसरों पर गिराते हैं
आप अपनों की प्रीति से
हाथ धो बैठते हैं ;
इसीलिये क्रोध की बिजली
कभी न गिरायें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब भी आप
अपना अतीत देखेंगे
आपको
सुख–दुःख की यादों के साथ
ऐसे अनुभव भी मिलेंगे
जो आपके वर्तनाम और भविष्य को
दुःख रहित कर देंगे,
इसलिये
कभी–कभी
अतीत को भी याद करें
सिर्फ अनुभव के लिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

पैसों से
रिश्तों की कीमत नहीं होती,
न ही रिश्तों से
पैसों की कीमत होती है,
लेकिन
पैसों की अहमियत बढ़ते ही
रिश्तों की कीमत
जरूर घट जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

प्रशंसा और निंदा की
फिक्र छोड़कर
आप तो सिर्फ ईमानदारी से
अपनी ज़िम्मेदारियाँ निभाइये,
सच मानिये –
आपके निन्दक भी
आपकी प्रशंसा करते मिलेंगे ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जिन्हें भी
इस लम्बी ज़िंदगी में
लम्बे समय तक
रिश्ते चलाना हो,
उन्हें गलती स्वीकारने में
और
गलती छोड़ने में
देर नहीं लगाना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप लोग
धन की रक्षा करते हैं
परन्तु ज्ञान
आपकी रक्षा करता है,
इसलिये
मैं धन से ज़्यादा श्रेष्ठ
ज्ञान को मानता हूँ,
सच है–
धन कभी–कभी काम आता है
लेकिन ज्ञान
हर वक्त काम आता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मुश्किलें
कितनी ही बड़ी क्यों न हों,
पर
आपके हौसले
छोटे नहीं होना चाहिये,
क्योंकि
जिनके हौसले छोटे होते हैं
उनकी छोटी-छोटी मुश्किलें भी
बहुत बड़ी हो जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

समस्याओं का समाधान
रोने से नहीं
सहने से होता है,
क्योंकि
समस्यायें मौसम की तरह हैं,
इसलिये
समस्याओं में
वृक्षों के समान अड़िग रहें
समस्यायें चली जायेंगी
पर
आप वहीं मिलेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जो लोग
नसीब के भरोसे बैठते हैं
अकसर
उनकी काबिलियत घट जाती है,
इसलिये
जिन्हें अपनी
काबिलियत न घटाना हो
उन्हें नसीब के भरोसे
नहीं बैठना चाहिये,
तरक्की की ओर
निरंतर बढ़ना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अक्सर आप
अपनी तरक्की चाहते हैं
तो समझाइये कम
और
समझिये ज़्यादा,
क्योंकि
दूसरों को समझाना
आपकी तरक्की में बाधक है
और
स्वयं समझना
तरक्की में साधक है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जीत के लिये
अपनी ताकत बढ़ाइये
साथ ही साथ
दूसरे की कमज़ोरियाँ भी खोजिये,
क्योंकि
किसी को झुकाने के
दो ही तरीके हैं;
पहला तो
अपनी ताकत दिखाकर,
दूसरा
उसकी कमज़ोरियाँ गिनाकर ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

ज़िंदगी को
दौड़कर पूरा करने की जगह
झुककर पूरा कीजिये,
क्योंकि
दौड़ने वाले गिर सकते हैं
पर
झुककर चलने वाले
कभी नहीं गिरते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुनिया में ज़्यादातर लोग
परिस्थितियों के गुलाम होते हैं,
मगर
कुछ विरले ही लोग
परिस्थितियों को
गुलाम बनाकर रखते हैं,
ऐसे लोग कभी
दुःखी और असफल नहीं होते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

किसी की
गलतियाँ दिखने पर
उसकी गलतियाँ मिटाने का प्रयास करें,
गलतियाँ करने वालों को
मिटाने का प्रयास न करें,
क्योंकि
नाखून बढ़ जाने पर
अंगुली काटते हुये
मुझे तो कोई नहीं मिला ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब भी दीवारों में
दरारें आती हैं
तो दीवारें नहीं तोड़ी जाती
दरारें ही भरी जाती हैं,
वैसे ही
जब भी रिश्तों में
दरारें आती हैं
तब रिश्ते नहीं तोड़े जाते हैं
उनकी दरारें भरी जाती हैं ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अकेले बैठे
इंसान के अंदर भी
भीड़ की चाह हो सकती है
और
भीड़ में बैठे
इंसान के अंदर भी
अकेलेपन की चाह हो सकती है;
इसीलिये
भीड़ या अकेलेपन से
किसी की पहचान मत करना,
किसी की भी पहचान
सिर्फ भावों से करना...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

लाख अड़चनों के आने पर भी
अच्छे कामों को
बंद न करें,
क्योंकि
अच्छे काम ही एक दिन
आपको दुनिया के सामने
अच्छा साबित करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अगर
एक ही गलती
आप बार-बार करते हैं,
तो इसका मतलब साफ है
कि वह आपको पसंद है
और
लोग आपसे
कितना ही बोलें
आप उसे कभी नहीं छोड़ेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

गलतियाँ हो जाने पर
उन पर शोक मत करना,
अपितु
उन्हें सुधारने का प्रयास करना;
क्योंकि
गलतियाँ के होने पर
शोक करना भी
एक गलती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

किसी को भी
दुःख देने से पहले
इतना अवश्य सोचें कि –
आपके द्वारा दिया गया दुःख
उसके जीवन में
कितना गहरा असर करेगा
और
यह भी सोचें कि
यह दुःख
जब आपके जीवन में आयेगा
तब आपको कैसा लगेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

दुनिया में
कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं
जो हर कोई नहीं दे सकता,
जैसे खुशी
और
कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं
जो हर कोई देने का प्रयास करता है
जैसे गम ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब भी
आपकी जंग अपनों से हो
तो उसे हारना ही ठीक है,
क्योंकि
जरूरी जीत नहीं
जरूरी रिश्ते हैं;
ऐसा करके
आप हारकर भी
अपनों को जीत सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जिसके पास
सम्पत्ति कमाने का समय हो,
पर
अपनों के लिये समय न हो
समझ लेना वह सम्पति नहीं है;
सही मायने में विपत्ति ही है
और
वह आदमी व्यस्त नहीं है
उसका जीवन ही
अस्त-व्यस्त है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

कभी भी शत्रु की
न तो प्रशंसा करें,
न ही निन्दा करें;
क्योंकि
दोनों ही कार्य
उसे अमर बना देंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

इच्छित वस्तु के
न मिलने पर भी
क्रोध न करें,
क्योंकि
क्रोध करने से
वस्तु तो नहीं मिलेगी;
हाँ
आपकी इज़्ज़त
अवश्य चली जायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जब आप परेशान हों
तब आप
आपसे अधिक परेशान व्यक्ति के पास
अवश्य जायें,
आपकी परेशानी
आधी हो जायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

आप कुछ
ऐसी बातें भी सीखें
जिन्हें कोई
सीखना नहीं चाहता,
क्योंकि
जो सबके पास है
वही आपके पास है
तो क्या बात?
जो किसी के पास न हो
वो आपके पास हो
तो कुछ बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

जो काम
जिस समय पर होना चाहिये
उसे
उसी समय पर करना उचित है,
क्योंकि
समय पर किया गया कार्य ही
फलदायक होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संगत

अपने नाम को
पैसों के लिये कभी न बेचें
न ही
ऐसा कोई काम करें
जिससे आपका नाम खराब हो,
क्योंकि
काम और पैसा महत्त्वपूर्ण नहीं
नाम महत्त्वपूर्ण होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर